लोकतंत्र और लोकतांत्रिक मूल्य भारतीयों के जीवन के अभिन्न अंग हैं: लोक सभा अध्यक्ष

...

लोक महत्व पर सकारात्मक आलोचना संसद की विशिष्टता है: लोक सभा अध्यक्ष

...

भारत के युवा सम्पूर्ण विश्व में नेतृत्व देने का कार्य कर रहे हैं: लोक सभा अध्यक्ष

...

युवाओं पर देश को अमृत काल से स्वर्णिम काल में ले जाने का अति महत्वपूर्ण दायित्व: श्री अनुराग सिंह ठाकुर

...

लोकसभा अध्यक्ष ने राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव 2023 के प्रतिभागियों को संबोधित किया

...

नई दिल्ली; 2 मार्च, 2023: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष में आयोजित राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव के समापन समारोह को सम्बोधित किया। इस अवसर पर सूचना एवं प्रसारण तथा युवा कार्य एवं खेल मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर; गृह मंत्रालय और युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय में राज्य मंत्री श्री निसिथ प्रामाणिक तथा अन्य सांसद मौजूद रहे।

अपने संबोधन में सर्वप्रथम श्री बिरला ने सभी युवा प्रतिभागियों का संसद भवन के ऐतिहासिक केन्द्रीय कक्ष में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय कक्ष, ब्रिटेन से भारत को सत्ता का हस्तांतरण; संविधान निर्माण समेत कई ऐतिहासिक तथा गौरवशाली क्षणों का साक्षी रहा है। उन्होंने उपस्थित सभी युवा प्रतिभागियों को अवगत कराया कि केन्द्रीय कक्ष में स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान निर्माताओं ने देश का सर्वोच्च कानून यानि भारत का संविधान तैयार किया था।

लोकतंत्र की जननी भारत के वैश्विक स्तर के योगदान का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि भारत में प्राचीन काल से ही लोकतांत्रिक मूल्य, सिद्धांत और संस्थाएं मौजूद रही हैं, जो समय की आवश्यकता के अनुसार विकसित होती रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत में प्राचीन वेदिक काल से लेकर महाभारत और बौद्ध काल तक लोकतान्त्रिक संस्थाओं के उल्लेख मिले है। श्री

बिरला ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि लोकतंत्र और लोकतांत्रिक मूल्य भारत और उसके नागरिकों की जीवन शैली का अभिन्न अंग हैं।

देश विदेश के घटनाओं और उनके प्रभावों पर अपना दृष्टिकोण रखते हुए श्री बिरला ने कहा कि राष्ट्रीय और लोक महत्व के मुद्दों पर रचनात्मक वाद-विवाद, सुविचारित चर्चा, और सकारात्मक आलोचना भारत की संसद की विशिष्टता रही है। उन्होंने कहा कि देश की संसदीय विरासत और लोकतान्त्रिक शासन प्रणाली में विभिन्न विचारों और समाज के प्रत्येक वर्ग के हितों को महत्व दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि संसद में समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का कल्याण सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक विचार को बराबर महत्व दिया जाता है ।

युवाओं को विकसित होते नए भारत का प्रतीक बताते हुए श्री बिरला ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में युवा वर्ग, खास तौर पर युवतियों की उपलब्धियों और प्रयासों के कारण आज भारत की गिनती विश्व के सबसे तेजी से विकसित होते युवा देशों में है। उन्होंने आगे कहा कि युवाओं की प्रतिभा और उपलब्धियों को देखते हुए देश की विकास यात्रा में युवाओं की विशेष भूमिका और योगदान अत्यंत आवश्यक है।

भारत के युवाओं के विश्वव्यापी योगदान का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि आज के युग में भारत के युवा सम्पूर्ण विश्व में नेतृत्व देने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि अमृत काल में युवाओं को नए भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे और इस प्रक्रिया में कोई भी पीछे न छूटे। युवाओं का आह्वान करते हुए श्री बिरला ने कहा कि युवा वर्ग समावेशी और न्यायसंगत समाज का निर्माण करते हुए समाज में जरूरी सुधार ला सकता है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि नए भारत की आधारशिला रखने में देश के युवा अपना योगदान देने में पीछे नहीं हटेंगे और प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विज़न के अनुसार भारत को 2047 में विकसित राष्ट्र बनाने में अपना सम्पूर्ण सहयोग देंगे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने सभी युवा प्रतिभागियों एवं विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए अमृत काल के पांच प्रणो को युवाओं के लिए जीवंत सिद्धांत बताया और उन प्रणों को अपने अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की प्रगति और व्यापक विकास कार्यों के सन्दर्भ में श्री ठाकुर ने कहा कि युवाओं के ऊपर देश को अमृत काल से स्वर्णिम काल में ले जाने का अति महत्वपूर्ण दायित्व है।